

प्रातिपदिक पुं. (तत्.) अग्नि भाषा. नाम शब्द का परिपक्व रूप, विभक्ति चिह्न जुड़ने से पूर्व अर्थवान संज्ञा शब्द।

प्रातिभा वि. (तत्.) मनो. 1. प्रतिभा अथवा दिव्यता से संबंध रखने वाला 2. प्रतिभा-युक्त, प्रतिभाशाली 3. प्रतिभा से उत्पन्न, प्रतिभाजन्य 4. प्रतिभा या विशद कल्पना 5. जमानत देने के लिए प्रतिभू के रूप में खड़ा होना पुं. प्रतिभाशाली व्यक्ति योग. योग साधना का एक विघ्न, जो साधक की प्रतिभा के कारण उत्पन्न होता है, प्रतिभा ज्ञान अध्ययन संबंधी विचारों के कारण एकाग्रता में पड़ने वाली बाधा।

प्रातिभाव्य पुं. (तत्.) जमानत या प्रतिभूति होना, जामिनपना, किसी ऋणी (कर्जदार) को (कचहरी में) उपस्थित करने का उत्तरदायीत्व होना क्योंकि वह विश्वासपात्र है तथा आशा है कि वह कर्ज का रुपया वापिस कर देगा।

प्रातिभासिक पुं. (तत्.) 1. प्रतिभास संबंधी, प्रतिभा का 2. जो वस्तुतः न हो, परन्तु भ्रम के कारण प्रतीत होता हो 3. अव्यावहारिक 4. अवास्तविक।

प्रातिलोमि वि. (तत्.) प्रतिकूल, विरुद्ध, लाभ के विरुद्ध, शत्रुतापूर्ण, अरुचिकर।

प्रातिवेशिक पुं. (तत्.) प्रतिवेश/पड़ोस अथवा पड़ोसी से संबद्ध।

प्रातिशाख्य पुं. (तत्.) व्याकरण का एक ग्रंथ जिसमें स्वरसंधि तथा अन्य वर्ण परिवर्तनों के नियमों का उल्लेख है, जो वेद की किसी भी शाखा, में पाए जाते हैं तथा जिसमें स्वराघात सहित उच्चारण की पद्धति का विवरण उपलब्ध है, प्रातिशाख्य चार हैं पहला ऋग्वेद की शाकल शाखा का दूसरा यजुर्वेद की दोनों शाखाओं के तथा अथर्ववेद की शाखा।

प्रातिहारिक पुं. (तत्.) ऐंद्रजालिक, मायावी, जादूगार वि. प्रतिहार संबंधी।

प्रातीतिक वि. (तत्.) जिसकी प्रतीति मात्र होती है, केवल मन में विद्यमान (मानसिक) अवास्तविक, काल्पनिक।

प्रात्यक्षिक वि. (तत्.) मनो. अनुभूति विषयक, प्रत्यक्ष ज्ञान विषयक, बोधात्मक, प्रतिबोधात्मक, बोधक्षम।

प्रात्यक्षिक आधारिका स्त्री. (तत्.) अनुबोधक, आधार वाक्य।

प्रात्ययिक वि. (तत्.) 1. प्रत्यय संबंधी, प्रत्यय का 2. जो प्रत्यय के रूप में हो।

प्राथमिक वि. (तत्.) 1. क्रम के आधार पर प्रारंभ में आने वाला 2. आरंभ में होने वाला 3. प्रारंभिक, प्रारंभ में किया जाने वाला यथा प्राथमिक उपचार।

प्राथमिक आरक्षण पुं. (तत्.) वाणि. बैंक में उपलब्ध हाथ-रोकड़ तथा अन्य बैंकों में जमा राशि।

प्राथमिक इकाई स्त्री. (तत्.+तद्.) लेखा. भौ. मनो. दूरी, परिमाण, बल संवेग अथवा समय की एक विनिर्दिष्ट मात्रा, जिससे तुलना करके समान प्रकार की वस्तुओं का आकलन किया जाता है।

प्राथमिक उत्पाद पुं. (तत्.) अर्थ. किसी उद्योग द्वारा बनायी जाने वाली प्रमुख वस्तु।

प्राथमिक उद्योग पुं. (तत्.) 1. वाणि. ऐसा उद्योग जो अन्य उद्योगों में प्रयोग में लाने के लिए मूलभूत अथवा आधारभूत वस्तुओं को उत्पन्न करता है, मूल उद्योग जैसे- डबलरोटी तथा बिस्कुट आदि बनाने वाले उद्योगों के लिए गेहूँ उत्पादन तथा गन्ना उत्पादन आदि मूल उद्योग हैं।

प्राथमिक उपचार पुं. (तत्.) अकस्मात् चोट लग जाने पर अथवा बीमार पड़ जाने की स्थिति में चिकित्सक को दिखा पाने से पूर्व किया जाने वाला उपचार जो रोग को बढ़ने से रोकने में सहायक हो।